

प्रेषक,

डा० राकेश कुमार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

1. निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तराखण्ड, देहरादून

2. सभापति / निदेशक
उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा
परिषद, रामनगर, नैनीताल।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-4

देहरादून दिनांक: ०१ मार्च, 2009

विषय:- वासुदेव जनता इ०का० गंगानगर रुद्रप्रयाग को इण्टर मानविकी वर्ग की सवित्त मान्यता दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा के पत्र सं०-माध्यमिक/50215/सवित्त मान्यता/2008-09 दिनांक 10-2-2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वासुदेव जनता इ०का० गंगानगर रुद्रप्रयाग को पूर्व में निर्गत इण्टर मानविकी वर्ग की वित्त विहीन मान्यता को निरस्त करते हुये उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा अधिनियम-2006 की धारा 18 (4) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते इण्टर मानविकी वर्ग (हिन्दी, अंग्रेजी/संस्कृत, भूगोल, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान) की सवित्त मान्यता वर्ष 2009 से सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त मान्यता के सिलसिले में सम्बन्धित विद्यालय में यदि किन्हीं अन्य प्रतिबन्धों/शर्तों की पूर्ति अवशिष्ट हो तो उन्हें एक निर्धारित अवधि के भीतर संस्थाधिकारियों को उन शर्तों/प्रतिबन्धों की पूर्ति के निर्देश दे दिये जाय।

3. कृपया उपरोक्तानुसार अग्रेत्तर आवश्यक कार्यवाही शीघ्र सम्पादित की जाय।

भवदीय,

(डा० राकेश कुमार)
सचिव।

संख्या 135(1)/XXIV-4/2009 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री जी।
4. मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
5. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
6. जिला शिक्षा अधिकारी, रुद्रप्रयाग।
7. सम्यन्धित विद्यालय के प्रबन्धक/प्रधानाचार्य।
8. वित्त विभाग/नियोजन प्रकोष्ठ।
9. एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(पी०एल०शाह)
उप सचिव।